Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा – 9

हिन्दी

क्षितिज (काव्य खंड)

अध्याय – 9 : सवैये (रसखान)

भाग – 2

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. कवि परिचय, सवैये
2. सवैये

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

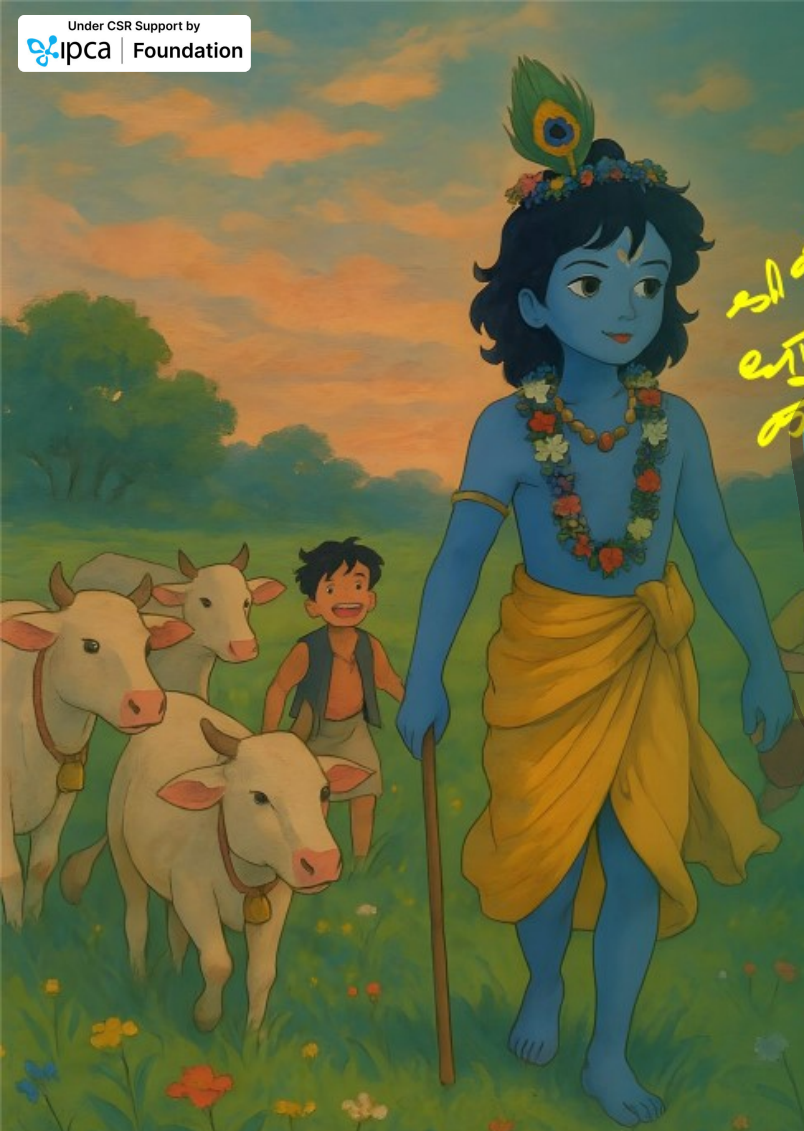
गोपी कृष्ण का सवैया
स्पष्टीकरण

(3)

मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितंबर लै लकुटी बन गोधन ग्वारनि संग फिरौंगी।।
भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी ।।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



गोपी द्वारा श्रीकृष्ण का स्वांग

मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितंबर लै लकुटी बन गोधन ग्वारनि संग फिरौंगी।।

मोरपखा	– मोर के पंखों से बना मुकुट
लकुटी	– लाठी
ग्वारनि	– ग्वालो
गुंज	– एक पौधे पर उगने वाला विशेष प्रकार का दाना

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग करौंगी।

या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी ।।

- भावतो – अच्छा लगना
- स्वाँग – रूप धारण करना
- मुरलीधर – कृष्ण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(4)

कानन दै अँगुरी रहिबो जबहीं मुरली धुनि मंद बजैहै।
मोहनी तानन सों रसखानि अटा चढ़ि गोधन गैहै तौ गैहै।।
टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोऊ कितनो समुझैहै।
माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै।।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अँगुली रखकर कानों में ध्वनि बजेगी
मोहनेवाली

मोहनी कानन दै अँगुरी रहिबो जबहीं मुरली धुनि मंद बजैहै।
मोहनी तानन सों रसखानि अटा चढ़ि गोधन गैहै तौ गैहै।।

गोपी अपनी विवशता

एक प्रकार गीत

कानन – कानों में
तानन – तानों से
अटा – महल, अट्टालिका

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



पूर्व विवशता

ब्रजके लोग

टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोऊ कितनो समुझैहै।

माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै।।

मेरा उत्तर

टेरि – पुकारकर बुलाना

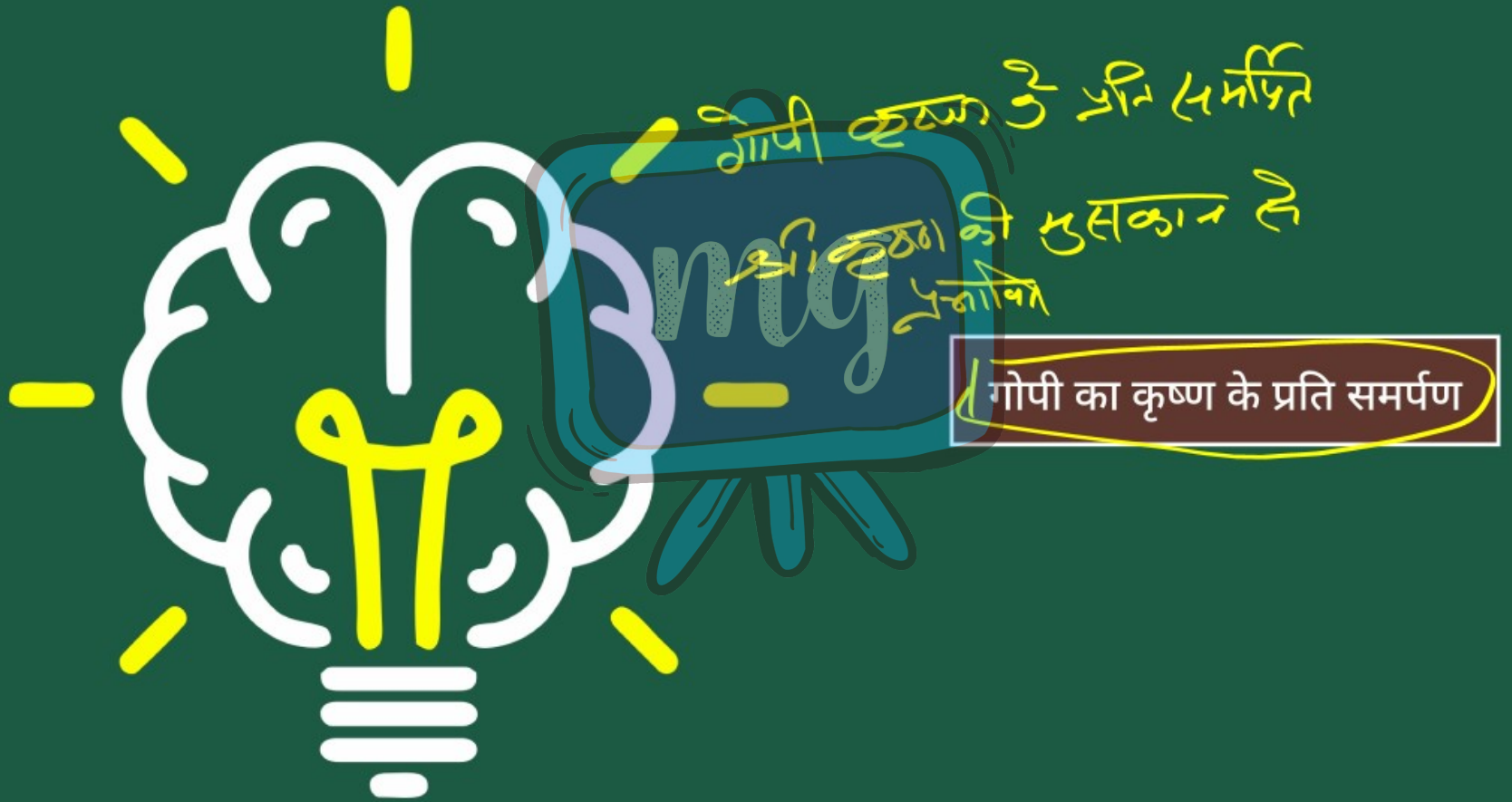
सिगरे – सारे

कोऊ – कितना ही

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 सखी कृष्ण की रूप-सज्जा क्यों करना चाहती है?

अ श्रृंगार के लिए

ब कृष्ण को रिझाने के लिए

स कृष्ण का आदेश पालन करने के लिए

द आनंद-उत्सव के लिए

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 सखी किसके कहने पर कृष्ण की स्वाँग रचती है?

अ कृष्ण के

ब राधा के

स सखी के

द स्वेच्छा से

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्रयत्न

3 | गोपी बाँसुरी को अपने होंठों पर क्यों नहीं रखना चाहती?

अ उसे बाँसुरी नहीं भाती।

ब उससे बाँसुरी नहीं बजती।

स उसे बाँसुरी बजानी नहीं आती।

द उसे बाँसुरी अपनी सौत-सी लगती है।

मूल्यांकन (Assessment)



4 कृष्ण की मुरली की धुन का क्या प्रभाव है?

अ लोग सम्मोहित हो जाते हैं।

ब लोग सुन नहीं पाते।

स लोग नापसंद करते हैं।

द लोग दुखी हो जाते है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 'गोधन' का क्या अर्थ है?

अ दुध

ब गाय

स एक लोकगीत

द दही